दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१५ वा | सोमवार ८ सितम्बर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

फिरोज के नाम से बम धमकी देने वाले ज्योतिषी अश्विनी कुमार को हथकड़ियां

मुंबई पुलिस की नोएडा में कार्रवाई

जमीर काजी

मुंबईः मुंबई में गणेश विसर्जन के दौरान बम हमला कर एक करोड़ नागरिकों को मारने की धमकी देने वाले को मुंबई पुलिस ने हथकड़ियां पहना दीं। आरोपी का नाम अश्विनी कुमार (उम्र ५०, निवासी सेक्टर ७९, नोएडा) है, जिसने खुद को पाकिस्तानी जिहादी संगठन 'लश्कर-ए-जिहादी' का सदस्य फिरोज बताकर धमकी दी थी। उसने एक मोबाइल आईडी बनाकर मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल ब्रांच के व्हाट्सएप ग्रुप पर धमकी भरा मैसेज भेजा था। अश्विनी कुमार ज्योतिष का काम करता था और अपनी पत्नी से अनबन के कारण मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर रविवार सुबह मुंबई लाया। धमकी में दावा किया गया था कि मुंबई के विभिन्न हिस्सों में १४ आतंकवादी घुस आए हैं, जिनके पास ४०० किलो आरडीएक्स है। इसे ३४ वाहनों में लगाया जाएगा, जिससे मुंबई के एक करोड़ नागरिक प्रभावित होंगे।

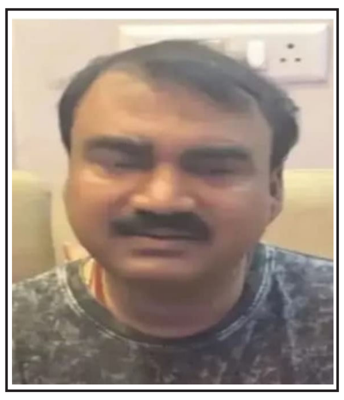

पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और पाया कि मैसेज नोएडा से भेजा गया था। इसके बाद एक विशेष टीम नोएडा भेजी गई। जानकारी के अनुसार, अश्विनी कुमार वास्तुशास्त्र और ज्योतिष का व्यवसाय करता था और मूल रूप से बिहार के पटना का रहने वाला था। वह वर्तमान में नोएडा के सेक्टर ७९ की एक सोसाइटी में रह रहा था। वह अपनी पत्नी से अलग रहता था।

पुलिस ने उस व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया, जिसका सिम कार्ड अश्विनी कुमार ने धमकी भरा मैसेज भेजने के लिए फिरोज के नाम से इस्तेमाल किया था। वह व्यक्ति सोरखा गांव का निवासी है। मामले की जांच जारी है।

धमकी में क्या था?

अश्विनी कुमार ने व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दावा किया था कि मुंबई में कई वाहनों में बम लगाए गए हैं, जिनमें कुल ४०० किलो आरडीएक्स का इस्तेमाल किया गया है। उसने कहा था कि इन विस्फोटों से पूरा मुंबई शहर हिल जाएगा और लगभग एक करोड़ लोग प्रभावित होंगे। इतना ही नहीं, उसने खुद को पाकिस्तानी जिहादी संगठन 'लश्कर-ए-जिहादी' का सदस्य बताते हुए कहा कि १४ आतंकवादी मुंबई में घुस चुके हैं और ३४ अलग-अलग वाहनों में ३४ 'ह्यूमन बम' रखे गए हैं।

अतिरिक्त जानकारी:

हालांकि दी गई खबर में पर्याप्त विवरण है, मैं इसे समान घटनाओं और सामान्य जानकारी के आधार पर पूरक जानकारी प्रदान कर सकता हूं, क्योंकि इस विशिष्ट घटना पर मेरे पास सीधे स्रोत उपलब्ध नहीं हैं। निम्नलिखित बिंदु ऐसी घटनाओं के सामान्य पैटर्न और प्रक्रियाओं पर आधारित हैं:

मुंबई पुलिस की त्वरित कार्रवाई: मुंबई पुलिस अपने साइबर अपराध और आतंकवाद-रोधी इकाइयों के लिए जानी जाती है। ऐसी घटनाओं में, वे अक्सर साइबर-फोरेंसिक उपकरणों जैसे आईपी पते या मोबाइल टावर स्थान का उपयोग करके धमकी भरे मैसेज का पता लगाते हैं, जिसने संभवतः उन्हें नोएडा तक पहुंचने में मदद की।

आरोपी का मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल: खबर में उल्लेख है कि अश्विनी कुमार अपनी पत्नी के साथ व्यक्तिगत समस्याओं के कारण तनाव में था। ऐसी प्रेरणाएं फर्जी धमकी के मामलों में असामान्य नहीं हैं, जहां व्यक्ति भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण ध्यान आकर्षित करने या हताशा निकालने के लिए ऐसी हरकतें करते हैं।

फर्जी पहचान का उपयोग: आरोपी ने फर्जी पहचान (फिरोज) का उपयोग किया और एक काल्पनिक संगठन लश्कर-ए-जिहादी से संबंध होने का दावा किया। यह रणनीति अक्सर दहशत पैदा करने और अधिकारियों को गुमराह करने के लिए अपनाई जाती है। वास्तव में, लश्कर-ए-तैयबा जैसे स्थापित आतंकी समूह जाने-माने हैं, और लश्कर-ए-जिहादी जैसे बनावटी नाम से यह संकेत मिलता है कि इसका वास्तविक आतंकी संगठनों से कोई संबंध नहीं था।

कानूनी परिणाम: फर्जी बम धमकी देना भारत में गंभीर अपराध है। आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा ५०६ (आपराधिक धमकी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग के लिए आरोप लगाए जा सकते हैं। यदि धमकी को आतंकी निहितार्थ वाला माना गया, तो गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) भी लागू हो सकता है। सार्वजनिक सुरक्षा उपाय: गणेश विसर्जन जैसे बड़े सार्वजनिक आयोजन के दौरान दी गई धमकी को देखते हुए, पुलिस ने संभवतः शहर में सुरक्षा उपायों को बढ़ाया होगा ताकि दहशत को रोका जा सके और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो। इसमें गश्त बढ़ाना, बम निरोधक दस्तों की तैनाती और प्रमुख स्थानों पर जांच शामिल हो सकती है।

अगर अगस्त माह का अनाज नहीं मिला तो सीधे मुझसे संपर्क करें-तहसीलदार चंद्रकांत शेलके

बीड़, ७ सितंबर (प्रतिनिधि) : शिधापत्रिका धारकों (राशन कार्डधारक) को अगस्त माह का अनाज नहीं मिला हो तो वे सीधे मुझसे संपर्क करें, ऐसा आवाहन बीड़ तहसीलदार चंद्रकांत शेलके ने किया है। सस्ते अनाज की दुकानों से नागरिकों को समय पर और पारदर्शी तरीके से अनाज मिले, इसके लिए प्रशासन की ओर से विशेष अभियान शुरू किया गया है।

इस बारे में बोलते हुए शेलके ने कहा – शिधापत्रिका धारकों को समय पर चावल, गेहूं, दाल जैसी जीवनावश्यक वस्तुएँ मिलनी चाहिए। अगर कोई दुकानदार नागरिकों को रोक रहा है या माल देने से इंकार कर रहा है तो संबंधित लोग तुरंत मुझे सूचित करें।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायत मिलते ही तत्काल जांच की जाएगी और दोषी दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ज़िले के कुछ हिस्सों में अब भी अगस्त माह का अनाज वितरण लंबित होने की शिकायतें विभाग तक पहुँची हैं। इसलिए इन मामलों पर कड़ी नज़र रखी जाएगी और कार्यवाही की जाएगी, ऐसा इशारा उन्होंने दिया।

अशफ़ाक इनामदार का एक फ़ोन और समस्या हल

शहर में शिधापत्रिका धारकों को अगस्त माह का सस्ता अनाज समय पर न मिलने की शिकायत सामने आई थी। नागरिकों की इस परेशानी को पूर्व नगरसेवक अशफ़ाक इनामदार ने गंभीरता से लिया। उन्होंने सीधे बीड़ तहसीलदार से फ़ोन पर संपर्क किया और कुछ ही घंटों में कार्यवाही तेज़ होकर वितरण का रास्ता साफ हो गया।

जनता की समस्याएँ सुलझाना ही मेरा कर्तव्य है। शिधापत्रिका धारकों पर अन्याय होने नहीं दूँगा, ऐसा इनामदार ने इस मौके पर स्पष्ट किया।

गेवराई के वरिष्ठ पत्रकार क़ाज़ी अमान और दैनिक तामीर के विशेष संवाददाता ने रविवार, ७ सितंबर २०२५ की शाम को गैलेक्सी अस्पताल जाकर मराठा संघर्षयोद्धा मनोज जरांगे पाटील से मुलाक़ात की और उनकी सेहत की आत्मीयतापूर्वक जानकारी ली।

ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर बीड़ में रक्तदान शिविर को मिली उत्स्फूर्त प्रतिक्रिया

बीड़ (प्रतिनिधि)

ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर सामाजिक गतिविधियों के अंतर्गत बीड़ शहर के बशीरगंज चौक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई लोगों ने रक्तदान कर इस शिविर को उत्स्फूर्त समर्थन दिया। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी रक्तदान किया।

जग को भाईचारे और शांति का संदेश देने वाले पैगंबर हजरत मोहम्मद स. के जन्मदिन यानी १२ रब्बीउल अव्वल को ईद-ए-मिलादुन्नबी के रूप में मनाया जाता है। इसी अवसर पर १२ रब्बीउल अव्वल बशीरगंज, मोईन मास्टर साहब ऑफिस परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन वक्फ बोर्ड के चेयरमैन समीर काज़ी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर फारुख पटेल, मोईन मास्टर, शकील खान, सुशीला मोराले, अश्फाक इनामदार, बरकत पठान , मोहब्बत खान, रफीक नायाब , इलयास बिलडर ,अलीम पटेल, गुलाम साकिब, तहसीलदार चंद्रकांत शेळके, खलील भाई, खमर भाई, पुलिस निरीक्षक शितलकुमार बल्लाळ, शहर के उलमा ए कराम, सभी पार्टियों के नेता, व्यापारी, समाजसेवी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कई लोगों ने रक्तदान कर इस शिविर को उत्स्फूर्त समर्थन दिया। शिविर में रक्तसंचयन का कार्य सिटी ब्लड बैंक के डॉक्टर और कर्मचारियों द्वारा किया गया।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

पैग़म्बर मोहम्मद की विलादत पर बीड़ में भव्य सेवा उपक्रम

शहबाज़ इलामकानी क़ादरी फ़ाउंडेशन की ओर से अनाथ, निराश्रित और ज़रूरतमंदों को पानी, कपड़े, चादरें, जलेबी और गुलाब के फूल वितरित

बीड़ प्रतिनिधि :

पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत के मुबारक दिन के अवसर पर बीड़ शहर में आज शहबाज़ इलामकानी क़ादरी फ़ाउंडेशन की ओर से एक अनोखा सेवा उपक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से धर्म और जाति-पंथ से ऊपर उठकर यह संदेश दिया गया कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है।

ज़िला शहरी बेघर न्युरा केंद्र, बीड़ में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अनाथ और निराश्रित लोगों को पानी, नए कपड़े, गरम चादरें, मीठी जलेबी और मोहब्बत का प्रतीक गुलाब के फूल वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की

आंखों में खुशी के आंसू झलकते दिखाई दिए।

इस अवसर पर न्युरा केंद्र के श्री अभिजीत, श्री राजू बंजारे और श्री यशवंत जाधव ने विशेष मेहनत लेकर कार्यक्रम को

सफल बनाया।

क़ादरी फ़ाउंडेशन के ऑल महाराष्ट्र स्टेट अध्यक्ष शेख शहबाज़ क़ादरी ने कहा -

हमने पैग़म्बर की शिक्षाओं से ही प्रेरणा ली है। ग़रीब, अनाथ, निराश्रित और बेघर

लोगों की सेवा करना ही असली इबादत है।

इस मौके पर लोकसेवा ज़िलाध्यक्ष अदनान शेख ने कहा -

हज़रत मोहम्मद ﷺ की ज़िंदगी पूरी इंसानियत के लिए एक मार्गदर्शक दीपस्तंभ है। उन्होंने हमेशा इंसानियत को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने अमीर-ग़रीब, राजा-रंक, हिंदू-मुसलमान - किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। उनकी शिक्षा का सार यही है कि 'इंसान की सेवा ही असली इबादत है।'

पैग़म्बर मोहम्मद ﷺ ने अनाथों को सहारा दिया, भूखों को भोजन दिया, बेघरों को आसरा दिया, औरतों की इज़्ज़त की रक्षा की और समाज के सबसे कमज़ोर तबके के लिए संघर्ष किया। वे फरमाते थे - 'सबसे बेहतर इंसान वही है, जो दूसरे इंसान के लिए सबसे ज़्यादा फ़ायदेमंद हो।'

आज के दौर में हमें उनके इसी संदेश को अमल में लाना है। जात-पात, धर्म और दौलत से ऊपर उठकर एक-दूसरे का सहारा बनना, मुश्किल वक्त में साथ खड़ा रहना और मोहब्बत व भाईचारे के साथ जीना - यही उनका असली वारिस होना है। इस मौके पर उबैद हाश्मी, अबुज़र पटेल, इरफ़ान शेख, जहिर भाई, जहिर तांबोळी, जैन तांबोळी, निहाल तांबोळी, मोमिन इरफ़ान, सोहेल ख़ान पठान आदि की विशेष मौजूदगी रही। इस उपक्रम का बीड़ शहर में बड़े पैमाने पर स्वागत किया गया और सामाजिक संस्थाओं ने क़ादरी फ़ाउंडेशन के काम की सराहना की। कई नागरिकों ने इस सेवा कार्य को इंसानियत का असली त्योहार बताया।

लालबागचा राजा के विसर्जन में १२ घंटे की देरी

झांकी और नए तराफे की वजह से उशीर

जमीर काज़ी

मुंबई : गणपति बप्पा मोरया, अगले साल तू जल्दी आना - ऐसे जयघोष के बीच मुंबई सहित पूरे राज्य में गणपति बाप्पा को भावुक विदाई दी गई। घरगुती और सार्वजनिक मंडलों की हजारों मूर्तियों की झांकी निकालकर उत्साह और उल्लास के वातावरण में विसर्जन किया गया। पूरे महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे मुंबई के लालबागचा राजा गणपति के विसर्जन में इस बार पूरे १२ घंटे की देरी हुई। झांकी देर से पहुंचने और समुद्र में ज्वार आने के कारण मूर्ति को गिरगांव चौपाटी पर लगभग १२ घंटे ठहरना पड़ा, जिससे भक्तों में चिंता का माहौल देखा गया। रविवार रात करीब ९ बजे जाकर बप्पा का विसर्जन हो पाया।

लालबाग मंडल ने इस साल से स्थानीय कोली समाज की बजाय गुजरात की एक कंपनी द्वारा बनाए गए आधुनिक तराफे का इस्तेमाल किया। इस वजह से कई वर्षों से विसर्जन की ज़िम्मेदारी निभाते आ रहे कोली बांधवों में नाराज़गी देखी गई।

शनिवार सुबह अनंत चतुर्दशी के दिन बड़ी धूमधाम से विसर्जन झांकी की शुरुआत हुई। दिनभर रिमझिम बारिश होती रही लेकिन भारी भीड़ और जोश के साथ लोग उसमें शामिल हुए। करीब २३ घंटे की झांकी के बाद लालबागचा राजा दूसरे दिन सुबह ७.४५ बजे गिरगांव चौपाटी पर पहुंचा। सामान्य से लगभग २५-३५ मिनट देर हो चुकी थी। लेकिन उस वक्त ज्वार का पानी बढ़ चुका था। तेज़ लहरों और ऊंचे पानी के कारण मूर्ति को नए तराफे पर चढ़ाने में दिक्कत आने लगी। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने लगभग ३ घंटे तक भरपूर कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद ज्वार उतरने का इंतज़ार करने का फैसला मंडल ने लिया।

समुद्र में ज्वार और तकनीकी दिक्कतों की वजह से विसर्जन प्रक्रिया अटक गई। पहली बार इस्तेमाल किए जा रहे अत्याधुनिक मोटराइज्ड तराफे, जिसे गुजरात से खासतौर पर मंगाया गया था, पर मूर्ति चढ़ाने में अड़चने आईं। यह नया तराफा ३६० डिग्री घूमने में सक्षम है और चारों ओर से पानी के फव्वारे छोड़ता है, जिससे विसर्जन को आधुनिक रूप दिया गया है। पारंपरिक दो नावों की जगह यह स्वचालित रूप से मूर्ति को समुद्र में ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन ज्वार की ऊंची लहरों के कारण यह तराफा ज़्यादा हिलने लगा और मूर्ति चढ़ाने में मुश्किल आई। उम्मीद थी कि आधुनिक तकनीक से विसर्जन प्रक्रिया तेज़ और आसान होगी, लेकिन समुद्र की लहरों और तकनीकी दिक्कतों के कारण यह संभव नहीं हो सका। अंततः ज्वार उतरने के बाद रात १० बजे भावपूर्ण माहौल में विसर्जन सम्पन्न हुआ।

इससे पहले दोपहर में चिंचपोकळी के चिंतामणि का गिरगांव चौपाटी पर सुरक्षित विसर्जन किया गया। चिंतामणि का तराफा पारंपरिक नावों के जरिए समुद्र में ले जाकर विसर्जित किया गया।

१०-१५ मिनट देर से पहुंचे

लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के मानद सचिव सुधीर साल्वी ने मीडिया से बातचीत में कहा

विसर्जन झांकी २४ घंटे चली। चौपाटी तक पहुंचने में हमें १०-१५ मिनट की देरी हुई। ओहटी (भाटा) के समय हम मूर्ति को तराफे पर चढ़ाते हैं और विसर्जन होता है। हमारे लिए यह अलग अनुभव है। हम पूरी योजना बनाते हैं और शास्त्रोक्त पद्धति से विसर्जन करते हैं। नया तराफा हमने ही तैयार करवाया है। कोली बांधव हमारे साथ हैं। कोई तकनीकी दिक्कत नहीं थी। तूफानी बारिश के कारण ज्वार आया, इसलिए मंडल ने विसर्जन रोकने का निर्णय लिया।

कोली बांधव नाराज़

गिरगांव चौपाटी के नाविक हिरालाल वाडकर ने इस संदर्भ में वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी नाराज़गी व्यक्त की है।

तालाब में मिला स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर का शव

वडवणी, ७ सितम्बर (प्रतिनिधि): तहसील के चिखलबीड ग्राम पंचायत सीमा क्षेत्र के देठेवाड़ी तालाब में शनिवार (६ सितम्बर) की शाम एक शव तैरता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने शव बाहर निकाला तो उसकी पहचान वडवणी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत चिकित्सक डॉ. शुभम बालकनाथ यादव (निवासी - देवला, तहसील अंबाजोगाई, वर्तमान निवास - बीड़) के रूप में हुई। इस घटना से वडवणी तहसील में सनसनी फैल गई है।

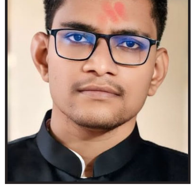

डॉ. शुभम यादव एक दिन से लापता थे। उनके लापता होने की शिकायत उनके पिता ने पुलिस में दर्ज कराई थी। आखिरकार शनिवार शाम करीब पांच बजे उनका शव तालाब में मिला। मानसिक तनाव में आकर उन्होंने आत्महत्या की होगी, ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि आत्महत्या का सही कारण अब तक स्पष्ट नहीं हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही वडवणी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया। उसके बाद शव को बीड़ जिला अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम किया जाएगा। इस प्रकरण की जांच जारी है। इस बीच, पिछले पंद्रह दिनों में वडवणी तहसील के दो अधिकारियों ने आत्महत्या की है, यह चौंकाने वाली बात सामने आई है। इससे अधिकारी वर्ग में भारी खलबली मच गई है।

भोगलवाड़ी फाटा में बैनर फाड़ने की घटना, छह लोगों पर मामला दर्ज

किल्ले धारूर, ७ सितम्बर (प्रतिनिधि): धारूर तहसील के भोगलवाड़ी फाटा स्थित महालक्ष्मी प्रवेशद्वार पर लगे महान व्यक्तियों और देवताओं के फोटो वाले बैनर फाड़ दिए जाने से तनावपूर्ण माहौल बन गया था। लेकिन पुलिस प्रशासन ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति पर नियंत्रण पाया और संभावित अनर्थ टाल दिया। इस बैनर प्रकरण में समाज में वैमनस्य फैलाने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ दिंद्रुड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। आगे की कार्रवाई जांच के बाद ही की जाएगी, ऐसा आश्वासन सहायक पुलिस निरीक्षक महादेव ढाकणे ने दिया। दोनों पक्षों की बातें सुनकर उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद माहौल शांत हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार, भोगलवाड़ी फाटा स्थित महालक्ष्मी प्रवेशद्वार पर महालक्ष्मी प्रवेशद्वार नामक शिलालेख और संत भगवान बाबा, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर, स्वर्गीय लोकनेता गोपीनाथ मुंडे और श्री सिद्धेश्वर महादेव के फोटो सहित बैनर लगाए गए थे। इन बैनरों को फाड़कर उनकी जगह जरांगे पाटिल का खड़ा बैनर लगाया गया, जिससे दो समुदायों में तनाव फैलाने का प्रयास हुआ। इस घटना के चलते छह आरोपियों पर दिंद्रुड पुलिस स्टेशन में समाज में वैमनस्य फैलाने का मामला दर्ज किया गया।

यह घटना ६ सितम्बर की सुबह सामने आई। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों के बीच संभावित विवाद और संघर्ष को टाल दिया। सहायक पुलिस निरीक्षक महादेव ढाकणे ने स्पष्ट किया कि मामले में दोषियों के खिलाफ ही कार्रवाई होगी। भोगलवाड़ी प्रकरण में यहां के उपसरपंच तुकाराम माने और तिडके द्वारा दी गई शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। इस प्रकरण की जांच पीएसआई एस.एस. शेख कर रहे हैं। पुलिस की समय पर हस्तक्षेप और दोनों समुदायों को समझाने के कारण क्षेत्र में फिर से शांति स्थापित हुई और विवादित बैनर हटाकर वहां पुनः नया बैनर लगाया गया। पुलिस की इस सतर्कता की सर्वत्र सराहना हो रही है।

भारतीय जनता पार्टी के विधायक रमन लाल वोरा को फर्जी किसान बनकर जमीन हड़पने का नोटिस

जमीन विवाद में नोटिस मिलने के बाद भाजपा विधायक रमन वोरा 'लापता'

हबीब शेख, अहमदाबाद

गुजरात के पूर्व शिक्षा मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और साबरकांठा के इदर विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान विधायक रमन लाल वोरा ने राजनीतिक कारणों से २०२१ से २०२५ की अवधि के दौरान बिना किसी पंजीकरण के इदर तालुका में ६ हेक्टेयर से अधिक जमीन खरीदी थी। गठबंधन और किसानों के खाताधारक बनने के बाद, इदर मामलातदार ने एक सप्ताह पहले इदर विधायक और उनके परिवार को कारण बताओ नोटिस भेजकर सबूतों के साथ इदर मामलातदार कार्यालय में उपस्थित होने का आग्रह किया था। फर्जी दस्तावेजों को असली बनाकर नियमों के कथित उल्लंघन की जांच के दौरान पूरे घोटाले का पर्दाफाश हुआ।

ऐसा माना जाता है कि उन्होंने किसान बनने के लिए जानबूझकर अपने, अपनी पत्नी और दो बच्चों के नाम और उपनाम गलत लिखे थे। दरअसल, यह ज़मीन रमन लाल पटेल नाम के एक पटेल किसान की थी, जिसने ज़मीन के दस्तावेज़ों और कागज़ात में अपना उपनाम पटेल नहीं लिखा था, जिसका फ़ायदा उठाकर रमनलाल ने ज़मीन अपने नाम करवा ली। यह आरोप ज़मीन के असली मालिक रमन लाल पटेल ने उन पर लगाया था। अब मामलतदार ने उन्हें १९ सितंबर को दोपहर १२ बजे सबूतों के साथ पेश होने का आदेश दिया है। रमन लाल वोरा द्वारा ज़मीन ख़रीदे जाने से जुड़े ज़मीन विवाद को लेकर उदार मामलतदार ने एक नोटिस में कहा है कि वे १९ सितंबर को दोपहर १२ बजे उदार मामलतदार के कार्यालय में किसान होने के सबूतों के साथ पेश हों। उसके बाद, पक्षों के गुण-दोष के आधार पर फ़ैसला लिया जाएगा। इस मामले को लेकर हंगामा शुरू हो गया है। इसी के चलते उदार मामलतदार ने यह बात कही है। साथ ही, उनके फ़र्ज़ी किसान बनने का खुलासा करने के लिए भी एक नोटिस जारी किया गया था। २१ अगस्त को, रमन लाल वोरा और उनके परिवार के सदस्यों कसमबेन वोरा, सुहाग वोरा और भूषण वोरा सहित १० अन्य लोगों को ज़मीन हस्तांतरित करने वाले ममलतदार ने गुजरात भूमि प्रबंधन और कृषि भूमि सुधार अधिनियम २८/१५, धारा ३ की धारा ६३(ए)(डी) के तहत एक नोटिस जारी किया।

जानकारी के अनुसार, हिम्मतनगर के वीरपुर, प्रबदा, मोतीपुरा, पोरल, पलाज (गाँधी नगर) से, २०१७ से २४ की अवधि के दौरान, पुराने सर्वेक्षण संख्या ब्लॉक संख्या ७८४/१, पुनः सर्वेक्षण संख्या ५४९, पुराने सर्वेक्षण संख्या ३९, बी३९-७. ५८१, १-७१-०३ और ब्लॉक संख्या ७८४/०२, पुनः सर्वेक्षण संख्या ५५१ के अंतर्गत दाऊद के विस्तार में लगभग ०२-४४-०२ हेक्टेयर वर्ग मीटर ज़मीन अधिग्रहित की गई।

रमन लाल वोरा उस पूरे घोटाले के सामने आने के बाद विवादों में आ गए थे, जब पता चला था कि उन्होंने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके किसान के खातेदार बनकर नियमों का उल्लंघन किया था, जानबूझकर अपना, अपनी पत्नी और दो बच्चों का गलत या अधूरा नाम और उपनाम लिखा था, और ज़मीन खरीदने के लिए ज़मीन को अपने खाते में दर्ज होने से बचाने के लिए झूठे दस्तावेज़ जमा किए थे। कुछ क़ानून विशेषज्ञों का कहना है कि इदर विधायक का राजनीतिक करियर इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार और अधिकारी गुजरात सरकार में मंत्री, अध्यक्ष और वर्तमान में इदर विधायक के रूप में जाने जाने वाले रमन लाल वोरा को बचाने के लिए क़ानून में कोई खामी ढूंढते हैं या सरकार मुखिया के तौर पर उनके द्वारा ख़रीदी गई ज़मीन पर आगे की कार्रवाई करती है।

ईद-ए-मिलाद के मौके पर रिकॉर्ड ब्रेक रक्तदान शिविर सम्पन्न

५ सितंबर २०२५ को कांग्रेस जनसंपर्क कार्यालय, कालिंका नगर, बालेपीर (ज़िला बीड़) के सामने, कांग्रेस पार्टी के ज़िलाध्यक्ष राहुल भैया सोनवणे की प्रमुख उपस्थिति में तथा कांग्रेस नेता शेख मोहसिन, गणेश जवकर और समाजसेवक सोनू सेठ, शेख जहीर, जमील पठान के नेतृत्व में ईद-ए-मिलाद के उपलक्ष्य में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में बालेपीर क्षेत्र के सहयोगियों ने उत्कृष्ट योगदान दिया और कुल १०७ डोनरों ने रक्तदान कर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया। शिविर का उद्घाटन ज़िलाध्यक्ष राहुल भैया सोनवणे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदू-मुस्लिम और सभी समाज एक हैं - यह संदेश देने का ईमानदार प्रयास भी इस कार्यक्रम के माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे - ज़िला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राऊत साहेब, डॉ. पाखरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के युवा नेता योगेश क्षीरसागर, के.जी.एन. ग्रुप महाराष्ट्र के संस्थापक अध्यक्ष जहीर कादरी, पूर्व विधायक सुनील धांडे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के ज़िलाध्यक्ष राजेंद्र मस्के, एआईएमआईएम ज़िलाध्यक्ष शेख शफीक भाई, पूर्व विधायक उषाताई दराडे, वरिष्ठ नागरिक मास्टर, ज्येष्ठ साहब, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के महासचिव गणेश राऊत, शिवसंग्राम शहराध्यक्ष सुहास पाटील, बीड़ नगर परिषद उपाध्यक्ष फारुख पटेल, पूर्व नगरसेवक व राष्ट्रवादी शहराध्यक्ष (शरद पवार गुट) खुर्शीद आलम, बीजेपी अल्पसंख्यक ज़िलाध्यक्ष इरशाद भाई, मा. सुशीला ताई मोराळे, सेवादल पाशा भाई, काश्मकश संपादक अबुबकर, अजीजपुरा के मेंबर मोमिन सदाम, नगरसेवक सादेक मेंबर, कांग्रेस पार्टी के तालुका अध्यक्ष गणेश बजगुडे, एड. विद्याताई गायकवाड, एड. सादेक, कांग्रेस शहराध्यक्ष परवेज कुरेशी, शहर उपाध्यक्ष अमीर मोहोजिब, ओबीसी शहराध्यक्ष सय्यद फरहान, समाजसेवक आबेद खान, तोफीक तांबोळी, सय्यद शोएब, अरबाज भाई, आयान, फईम भाई, राज मुलानी तथा सोनू फ़ैन ग्रुप के सभी साथियों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com